B.Com. (HONS)
P3 – A/cs & Finance
Paper – VI
Cost & Management Accounting

प्रो० धनंजय कुमार
सहायक प्राध्यापक
वाणिज्य विभाग
V.S.J. महाविद्यालय राजनगर
(मधुबनी)

Date – 09.07.2020

## UNIT – I

### TOPIC – MEANING OF MANAGEMENT ACCOUNTING

सामान्यतः लेखा विधि के उस स्वरूप, अवस्था एवं तकनीकों को प्रबंधकीय लेखा विधि कहा जाता है जो व्यवसाय के संबंध में प्रबंध को उन सभी लेखांकन सूचनाओं को उपलब्ध कराता है जो प्रबंध को नियोजन करने, निर्देशन देने एवं नियंत्रण करने में सहायता करती है। इस प्रकार प्रबंधकीय लेखा विधि, लेखांकन सूचनाओं का उस रूप में प्रस्तुतीकरण है जो प्रबंध को उपक्रम की नीति निर्धारित करने तथा दिन-प्रतिदिन के संचालन में सहायता करता है।

कुछ विद्वानों द्वारा प्रबंधकीय लेखा विधि की परिभाषा निम्न प्रकार से दी गई है —

1. रार्बट एन. एन्थोनी के अनुसार — "प्रबंधकीय लेखा विधि का संबंध लेखा सूचनाओं से है जो प्रबंध के लिए उपयोगी होती है।"

2. टी० जी० रोज के अनुसार — "प्रबंधकीय लेखा विधि लेखांकन सूचनाओं का इस प्रकार अनुकूलन, विश्लेषण, पहचान और व्याख्या है, जिससे प्रबंध को सहायता मिलती है।"

3. जॉन शीअर के अनुसार — "प्रबंधकीय लेखा विधि को लेखांकन तकनीकों के ऐसे प्रयोग के रूप में परिभाषित किया जा सकता है जो फर्म की क्रियाओं के नियोजन और नियंत्रण के लिए प्रबंध के सभी स्तरों पर सहायता करने के लिए

सूचनाओं की व्यवस्था एवं व्याख्या तैयार करती है।"

(ii) डॉ० बेदी के अनुसार— "प्रबंधकीय लेखाशास्त्र शब्द का प्रयोग उन लेखांकन विधियों, प्रणालियों एवं तकनीकों का वर्णन करने के लिए किया जाता है जिन्हें विशिष्ट ज्ञान एवं योग्यता के साथ प्रयोग करने से प्रबंधकों अपने कार्य अर्थात् लाभों को अधिकतम करने या हानियों को न्यूनतम करने में सहायता मिलती है।"

उपरोक्त परिभाषाओं व तथ्यों से स्पष्ट होता है कि वास्तव में प्रबंधकीय लेखा विधि लेखांकन सूचनाओं के निर्दिष्टीकरण, मापन, प्रस्तुतीकरण, विश्लेषण, निर्वचन और संदेशवाहन की प्रक्रिया है जो प्रबंध को संगठन के उद्देश्यों को प्राप्त करने की दृष्टि से नियोजन, निर्णयन, निर्देशन और नियंत्रण में सहायता करती है—

## Nature of Management Accounting

### प्रबंधकीय लेखा विधि की विशेषताएं:—

(i) कला एवं विज्ञान दोनों होना।

(ii) प्रबंध के प्रति लेखांकन सेवा का कार्य होना।

(iii) भविष्य से संबंधित जैसे पूर्वानुमान करना, नीति-निर्धारित करना एवं नियोजन करना आदि से संबंधित होना।

(iv) चयनात्मक प्रकृति का होना।

(v) तथ्यों के कारण व प्रभाव का विश्लेषण करना।

(vi) नियम का सुनिश्चित व सर्वव्यापक न होना।

(vii) आवश्यक सूचनाएं व आंकड़े प्रदान करना न कि निर्णय लेना।

(viii) संगठन के उद्देश्यों एवं लक्ष्यों की प्राप्ति में सहायक होना तथा

(ix) व्यवसाय की कार्यक्षमता एवं कुशलता में सहयोग प्रदान करना।

Scanned with CamScanner

## SCOPE OF MANAGEMENT ACCOUNTING
## प्रबंधकीय लेखांकन का क्षेत्र ·

लेखांकन के क्षेत्र में प्रबंधकीय लेखाविधि का नया विकास होता है, लेकिन इसका क्षेत्र काफी व्यापक होता है। इसके अंतर्गत व्यावसायिक क्रियाओं के सभी पहलुओं का भूत, और वर्तमान गतिविधियों तथा प्रवृत्तियों का अध्ययन एवं विश्लेषण किया जाता है, तथा इस विश्लेषण के आधार पर भविष्य का अनुमान लगाया जाता है। अतः इसमें उन सभी विषयों तथा तकनीकों को शामिल किया जाता है, जिससे प्रबंध को नियोजन, निर्णयन एवं नियंत्रण में सहायता मिलती है। इसके क्षेत्र में निम्नलिखित मदों को शामिल किया है :-

(i) वित्तीय लेखाविधि जिसमें व्यवसाय से संबंधित आय-व्यय, स्टॉक, रोकड़ प्राप्ति या भुगतान के संबंध लेखे किये जाते तथा संपत्ति व दायित्व की सूचनाओं के आधार पर आधारशिला का कार्य करना।

(ii) लागत लेखाविधि जिसके अंतर्गत प्रमाप लागत विधि, सीमान्त लागत, बजटरी नियंत्रण आदि के आधार पर प्रबंधकीय लेखांकन के लिए महत्वपूर्ण सूचनाएँ उपलब्ध करना।

(iii) बजटन तथा पूर्वानुमान जो कि निर्णय है तथा इसका संगठनात्मक उद्देश्य जो दोनों नियोजन की दृष्टि से प्रबंधकीय लेखाविधि के लिए काफी उपयोगी होता है।

(iv) स्टॉक नियंत्रण एक महत्वपूर्ण तकनीक है जिसके अंतर्गत मितव्ययी आदेश की मात्रा (E.O.Q.), पुनः आदेश बिन्दु, न्यूनतम स्तर, अधिकतम स्तर, आदि का निर्धारण किया जाता है, और इन सभी के लिए प्रबंधकीय लेखापालक प्रबंध को उपयोगी मार्गदर्शन प्रदान करता है।

Scanned with CamScanner

(v) समंकों का निर्वचन – जिसके द्वारा प्रबंधकीय लेखापालक वित्तीय विवरणों को सरल रूप में प्रस्तुत करने एवं समझाने का प्रयास करता है. यह कार्य जितना सही होगा प्रबंधकीय निर्णय उतने ही वास्तविक होंगे.

(vi) कर लेखांकन (Tax Accounting) . वर्तमान समय में प्रबंधकीय लेखांकन का महत्वपूर्ण भाग है, इसके अंतर्गत आय, उत्पादन एवं बिक्री के विवरण तैयार करना, कर-दायित्व की गणना करना तथा समय पर Tax का भुगतान आदि को शामिल किया जाता है.

(vii) लेखांकन की विभिन्न पद्धतियाँ जैसे निर्णय लेखांकन, नियंत्रण लेखांकन, उत्तरदायित्व लेखांकन, विकास लेखांकन तथा पुनर्मूल्यांकन लेखांकन को शामिल किया जाता है जो प्रबंधकीय लेखांकन के क्षेत्र में नियोजन, निर्णयन एवं नियंत्रण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं.